सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 331 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 12 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्व एक विशाल व्यायामशाला है जहाँ हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।
-स्वामी विवेकानंद

शिवम के कमाल से अफगानिस्तान... 7 | अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह... 3 | बीजेपी नेता जिलों में कर रहे जमीनों... 2

# राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नेहरू के प्रवेश से चढ़ा सियासी पारा

» बीजेपी के बयान पर कांग्रेस का जोरदार हमला
» जयराम बोले- कुछ नया नहीं बता रही भाजपा
» विपक्ष बोला- भावनाओं से खेल रही है मोदी सरकार
» प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम करेंगे 11 दिन का अनुष्ठान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर सियासत रूकने का नाम नहीं ले रही है। इस समारोह को लेकर हालांकि पूरे विपक्ष के निशाने पर बीजेपी व मोदी सरकार है पर कांग्रेस व सत्ता पक्ष के बीच वाकयुद्ध चरम पर पहुंच गया है। दरअसल, दिग्गज कांग्रेसी नेताओं द्वारा उद्घाटन समारोह में जाने से मना कर देने के बाद से भाजपा देश के सबसे पुरानी पार्टी पर हमलावर हो गई है। जहां भाजपा ने सोमनाथ मंदिर व पंडित जवाहर नेहरू को विवाद में घसीट कर माहौल और गर्म कर दिया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केवल आधी अधूरी व झूठे तथ्य पेश कर पार्टी (कांग्रेस)को बदनाम करने की साजिश रच रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (12 जनवरी) को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले एक ऑडियो मैसेज जारी किया है इसमें उन्होंने कहा है कि वह 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहे है। पीएम ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि वह इस पुण्य अवसर का साक्षी बन रहे हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है। इसमें अब बस 11 दिनों का वक्त बचा हुआ है. प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या में तैयारियां जारी हैं। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा मेरा सौभाग्य है कि मैं भी इस पुण्य अवसर का साक्षी बनूंगा। प्रभु ने मुझे प्राण प्रतिष्ठा के दौरान, सभी भारतवासियों का प्रतिनिधित्व करने का निमित्त बनाया है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी, आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि यह अच्छा है वह प्रोटोकॉल जानते हैं और ऐसा कर रहे हैं. रामलला के प्रति इतना समर्पित होना उनके लिए अच्छा है।

## केंद्र और यूपी के मंत्रियों को निमंत्रण नहीं

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। इसके साक्षी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत करीब 8,000 मेहमान होंगे। इन मेहमानों की विभिन्न श्रेणियां हैं। खास बात यह है कि स्थानीय राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को छोड़ कर अन्य निमंत्रित नहीं हैं। केंद्र या किसी प्रदेश के मंत्री को मंत्री होने के नाते नहीं बुलाया गया है। कुछ सीमित महानुभाव अपने अन्य परिचय की दृष्टि से आमंत्रित हैं।

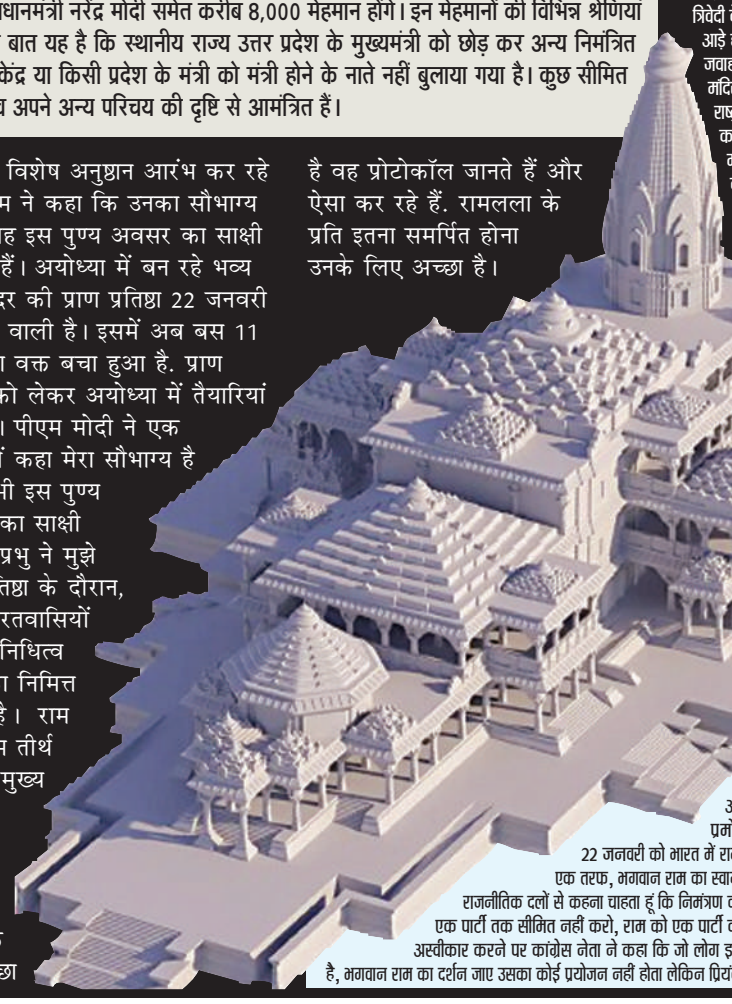

## नेहरू पूरी तरह पारदर्शी थे : जयराम रमेश

कांग्रेस ने भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी के इन दावों के लिए उन्हें आड़े हाथ लिया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के साथ तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के जुड़ाव का विरोध किया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सुधांशु त्रिवेदी ने एक तरह से सोमनाथ मंदिर पर पंडित नेहरू के कुछ पत्र हवा में लहराए हैं। ये पत्र और तत्कालीन गृह मंत्री राजाजी एवं राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को लिखे नेहरू के अनेक पत्र सार्वजनिक है और ऑनलाइन उपलब्ध हैं।"रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, "त्रिवेदी ने जो कहा है, उसमें कोई नया खुलासा नहीं हुआ है। नेहरू पूरी तरह पारदर्शी थे और अपने पीछे लिखित दस्तावेज छोड़ गए जो उन्होंने खुद लिखे थे।

## विवेकानंद से प्रेरणा लेकर युवा संघर्ष में शामिल हों : राहुल

राहुल गांधी ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, देश के युवाओं! आज राष्ट्रीय युवा दिवस पर हमें स्वामी विवेकानंद के विचारों को फिर से याद करने की ज़रूरत है। उन्होंने युवाओं की ऊर्जा को ही एक समृद्ध देश का आधार कहा और पीड़ित एवं निर्धन की सेवा को ही सबसे बड़ी तपस्या बताया था। युवाओं को विचार करना ही होगा कि आखिर क्या होगी हमारे सपनों के भारत की पहचान? जीवन की गुणवत्ता या सिर्फ भावुकता? उत्तेजक नारे लगाता युवा या रोज़गार प्राप्त युवा? मोहब्बत या नफ़रत? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि आज वास्तविक मुद्दों से नज़रें फेर कर भावनात्मक मुद्दों का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा रहा है।

» बोले कांग्रेस सांसद- भावनात्मक मुद्दों का राजनीतिक दुरुपयोग हो रहा है

## चुनाव देखकर 22 तारीख चुनी : पवन खेड़ा

कांग्रेस नेता ने कहा कि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 22 जनवरी की तारीख का चुनाव नहीं किया गया है, बल्कि चुनाव देखकर तारीख तय की गई है। किसी एक व्यक्ति के राजनीतिक तमाशे के लिए हम अपने भगवान और आस्था के साथ खिलवाड़ होते हुए नहीं देख सकते। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि प्राणप्रतिष्ठा करने की एक प्रणाली और अनुष्ठान है... यदि यह आयोजन धार्मिक है, तो क्या यह चारों पीठों के शंकराचार्यों के मार्गदर्शन में हो रहा है? चारों शंकराचार्यों ने स्पष्ट कहा है कि अधूरे मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा नहीं की जा सकती। अगर यह आयोजन धार्मिक नहीं है, तो राजनीतिक है... यह स्वीकार्य नहीं है।

## भगवान राम का स्वागत करो : प्रमोद कृष्णम

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम भावुक हो गए, उन्होंने कहा कि कितनी आखें ये सपना देखने के लिए बंद हो गईं। 22 जनवरी को भारत में रामराज्य के स्थापना की तारीख है। उन्होंने कहा कि तमाम ज्योतिषाचार्य एक तरफ और भगवान राम एक तरफ, भगवान राम का स्वागत करो। इस निमंत्रण को स्वीकार करो। मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना दुर्भाग्य का विषय है, मैं सभी राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि निमंत्रण को स्वीकार करो। राम किसी एक पार्टी के नहीं है। राम हमारी आस्था के आधार हैं। राम को किसी एक पार्टी तक सीमित नहीं करो, राम को एक पार्टी को सौंपेंगे तो अयोध्या भी एक पार्टी को सौंपना पड़ेगा। उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण अस्वीकार करने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि जो लोग इस निमंत्रण को अस्वीकार कर रहे हैं उन्हें पुर्नविचार करना चाहिए, राम आस्था का प्रश्न है, राम रोजगार का प्रश्न नहीं है, भगवान राम का दर्शन जाए उसका कोई प्रयोजन नहीं होता लेकिन प्रियंका गांधी का जन्मदिन है और मैं भगवान राम से प्रार्थना करने आया हूं कि वे भविष्य में भारत की प्रधानमंत्री बनें।

# ईडी का पश्चिम बंगाल के मंत्री के आवास पर छापा

» टीएमसी के नेताओं के घर पर भी रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगर निकायों में भर्तियों में अनियमितता मामले की जांच को लेकर शुक्रवार सुबह पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक तापस रॉय और उत्तरी दमदम नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सुबोध चक्रवर्ती के आवासों पर छापे मारे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ईडी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों के साथ

शुक्रवार सुबह उत्तर 24 परगना जिले के लेक टाउन इलाके में बोस के दो आवासों पर छापे मारे। अधिकारी के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने तापस रॉय के 'बीबी गांगुली स्ट्रीट' स्थित आवास और बिराती स्थित चक्रवर्ती के आवास पर भी छापे मारे।

# ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में खुलासा

» मोदी सरकार में अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ह्यूमन राइट्स वॉच ने अपनी रिपोर्ट में भारत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोदी सरकार अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव कर रही है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने वर्ल्ड रिपोर्ट 2024 में भारत सरकार पर कई तीखे आरोप लगाए हैं।

रिपोर्ट में सरकार पर मजहबी अल्पसंख्यकों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। ह्यूमन राइट्स वॉच मानवाधिकार को लेकर दुनिया के करीब 100 देशों पर अपनी सालाना रिपोर्ट प्रकाशित करता है। इसमें मानवाधिकार और इससे जुड़ी तमाम पहलूओं पर अपनी रिपोर्ट पेश करता है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने लिखा है कि भारत वैश्विक नेतृत्व का दंभ भरता है, लेकिन लोकतंत्र वाले देश में अधिकारों के सम्मान को लेकर भारत सरकार का रवैया कमजोर रहा है। इस आरोप से भारत के वैश्विक नेतृत्व की दावेदारी को भी झटका लगा है।

## 2023 में मानवाधिकारों को दबाया गया

वर्ल्ड रिपोर्ट 2024 में लिखा है कि भारत में पिछले साल (2023) में मानवाधिकारों को दबाया गया है और लोगों के साथ उत्पीड़न की कई घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में मणिपुर हिंसा, जम्मू कश्मीर का हालिया माहौल और जंतर मंतर पर महिला पहलवानों के विरोध को जगह दी गई है।

# बीजेपी नेता जिलों में कर रहे जमीनों पर कब्जा : अखिलेश

## » अधिकारी दे रहे हैं भूमाफियाओं का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के लोग भूमाफिया का काम कर रहे है। भारतीय जनता पार्टी के नेता हर एक जिले में अधिकारियों के साथ मिलकर जमीन कब्जा कर रहे हैं। अखिलेश ने दावा किया कि सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिये एनकाउंटर की बात करती है। उन्होंने कहा कि यूपी में निवेश नहीं हो रहा है और आने वाले समय में हमलोग बीजेपी का मुकाबला करेंगें।**

कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर सपा नेता ने कहा कि अलायंस की बात अच्छे माहौल में हो रही है, बहुत जल्द नतीजा सामने आयेगा। अलग-अलग राज्यों में छापेमारी के एक्शन पर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव है छापेमारी होती रहेगी। सपा नेता ने कहा कि वोटर लिस्ट जो 22 जनवरी को प्रकाशित होने जा रही है, उसमे जो हमारा वोट कट गया है या जो बढ़ने से छूट गया है उसकी तैयारी हम लोग अभी से विधानसभा स्तर पर करेंगे। बीजेपी ने पूरे देश के किसानों को सपना दिखाया लेकिन आय दोगुनी नहीं हुई, बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ी है। अखिलेश ने कहा क्विनवेश के जो सपने दिखाए कि उत्तर प्रदेश में 40 लाख करोड़ का निवेश आएगा कितना निवेश पहुंचा है और उससे कितनी नौकरी, कितने लोगों को रोजगार मिला है ये सरकार के पास कोई डेटा नहीं है। सपा नेता ने कहा कि आज बिजली महंगी है, हमारे किसानों को अपना खेत बचाना पड़ रहा है तार लगाके, स्वास्थ्य सेवाएं ठप हो चुकी हैं, अस्पतालों में इलाज नहीं है। सपा सरकार में जिन मेडिकल कॉलेजों को बनाया गया था वो भी आज नहीं चलाए जा रहे हैं. बड़े पैमाने पर लूट भाजपा सरकार में हो रही है।

**भाजपा सरकार में हो रही है बड़े पैमाने पर लूट**

### झूठ बाले रहे अखिलेश यादव : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने यूरिया को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव के यूरिया महंगे किए जाने के दावे पर मांडविया ने इसे झूठ करार दिया है। मांडविया ने कहा कि मैं ये स्पष्ट कर देता हूं कि नीम कोटेड यूरिया की 45 किलो की प्रति बैग 266.5 रुपये में मिलती थी, मिलती है और मिलती रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी के जय अनुसंधान के नारे साथ हमने किसानों के हित में नया सल्फर कॉटेड 'गोल्ड यूरिया' बनाया है, जिसकी नई मात्रा व दाम तय किए गए हैं, न कि किसी और के दाम बढ़ाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि कोविड के समय भी आपने देश में बनी वैक्सीन पर सवाल उठाये थे, जिसको देश और हमारे वैज्ञानिक भूल नहीं पाये हैं। आज फिर से आपने उन्हीं वैज्ञानिकों का मजाक उड़ाया है। मांडविया ने आगे कहा कि मुझे आशा है कि आप अब किसानों को गुमराह नहीं करेंगे व किसान हित में मिलकर काम करेंगे।

# ये फैसला तो आना ही था

## » शरद पवार ने सेना बनाम सेना फैसले में उद्धव ठाकरे का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि शिवसेना विधायकों की अयोग्यता मामले में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का फैसला बिल्कुल भी आश्चर्यजनक नहीं था। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट और की सामूहिक राय थी कि फैसला उनके पक्ष में नहीं बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में होगा। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि जून 2022 में जब प्रतिद्वंद्वी समूह उभरा तो शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट ही असली शिवसेना था।

मुख्यमंत्री शिंदे समेत सरकार के लोगों ने कई मौकों पर इस बारे में बात की थी कि किस तरह का फैसला आने वाला है और इससे पता चलता है कि उन्हें फैसले (उनके पक्ष में जाने) का अंदाजा था और यह आश्वासन उनके बयानों में झलका। राकांपा प्रमुख ने कहा कि ठाकरे को सर्वोच्च न्यायालय जाना होगा और यह विश्वास करने का एक अच्छा कारण है कि उनके गुट को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट से बिल्कुल अलग रुख अपनाया और यह इसे सुप्रीम कोर्ट में सेना (यूबीटी) के लिए एक बहुत अच्छा मामला बनाता है। पवार ने कहा कि एमवीए घटकों और अन्य समान विचारधारा वाले दलों के पास लोगों को यह बताने का अच्छा अवसर था कि कैसे सेना विधायकों की अयोग्यता मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर का फैसला एक राजनीतिक निर्णय था।

# राहुल-नीतीश को नहीं दिख रहा दलित बच्चियों पर अत्याचार : मालवीय

## » बीजेपी ने जदयू- कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना में दो नाबालिग बच्चियों से हुए दुष्कर्म को लेकर भारतीय जनता पार्टी सीएम नीतीश कुमार और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर हमलावर है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा है कि बिहार की राजधानी पटना का यह दृश्य विचलित करने वाला है, जहां दो नाबालिग महादलित बच्चियों के साथ दुष्कर्म हुआ।**

आठ साल की बच्ची की मृत्यु हो चुकी है और 10 साल की बच्ची जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। न्याय यात्रा का ढोंग करने वाले राहुल गांधी और प्रधानमंत्री बनने के लिए आतुर नीतीश कुमार कहां हैं? राजद के जंगल-राज में अति पिछड़ा और दलितों पर अत्याचार बेतहाशा बढ़ गया। बता दें कि बिहार में दुष्कर्म की यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले साल नवंबर में भी बेगूसराय में बच्चियों से रेप का मामला सामने आया था। उस दौरान स्कूली वैन चालक ने दो स्कूली छात्राओं से रेप की घटना को अंजाम दिया था। दोनों मासूम के साथ स्कूल से घर पंहुचाने के दौरान रास्ते में वैन ड्राइवर ने घटना को अंजाम दिया।

# केजरीवाल ने मांगा विधायकों से काम का रिपोर्ट कार्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। देश में पहली बार आम आदमी पार्टी ने विधायकों से मांगा रिपोर्ट कार्ड, लाइव वीडियो में विधायकों ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान के साथ अपने 1 साल के काम की की चर्चा। दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है- आम आदमी पार्टी ने देश में काम की राजनीति की शुरुआत की है। हमारे गुजरात दौरे पर गुजरात के हमारे विधायकों ने बताया कि एक साल में उन्होंने क्या-क्या काम किए।**

इन्होंने पिछले 1 साल में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़कों को लेकर जनता के लिए खूब काम किए हैं. मैंने और भगवंत मान ने विधायकों के साथ बैठकर उनके काम पर विस्तार से चर्चा की। अब पंजाब में भी मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरुआत, 27 नवंबर को भगवंत मान और केजरीवाल यात्रा ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी।

### गुजरात के स्कूलों पर की चर्चा

बोटाद से विधायक उमेश मकवाना, गरिआधार से विधायक सुधीर वाघानी और जामजोधपुर से विधायक हेमंत खावा ने स्कूलों में स्मार्ट क्लास न होने से लेकर, पानी की कमी, किसानों को एमएसपी से कम दाम मिलने, बंद होते स्कूल और गुजरात के जर्जर अस्पताल जैसे मुद्दों पर की चर्चा। बोटाद से विधायक उमेश मकवाना, गरिआधार से विधायक सुधीर वाघानी और जामजोधपुर से विधायक हेमंत खावा ने स्कूलों में स्मार्ट क्लास न होने से लेकर, पानी की कमी,बंद होते स्कूल और गुजरात के जर्जर अस्पताल जैसे मुद्दों पर की चर्चा। आप विधायकों के 1 साल के कार्यकाल में बदले अस्पताल, खाद्य उद्योग, स्कूलों में बढ़ा शिक्षा का स्तर, जनता के लिए बढ़े रोजगार के अवसर, सड़कों को हुआ निर्माण और सफाई का हुआ काम।

### उपराज्यपाल ने दिल्ली माल और सेवा कर विधेयक 2023 को दी मंजूरी

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पिछले महीने विधानसभा द्वारा पारित दिल्ली माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा द्वारा पारित विधेयक का उद्देश्य वस्तु एवं सेवा कर के प्रावधानों पर केंद्रीय और राज्य विधानों के बीच एकरूपता सुनिश्चित करना है। जीएसटी परिषद की बैठकों में की गई सिफारिशों के अनुसार, विधेयक में माल शब्द और निश्चित समय सीमा और इनपुट टैक्स क्रेडिट का संदर्भ प्रदान करने के लिए दिल्ली माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन किया गया है। जीएसटी परिषद ने अपनी 47वीं, 48वीं और 49वीं बैठक में वित्त अधिनियम, 2023 के माध्यम से केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों में विभिन्न संशोधनों की सिफारिश की। विधेयक धारा 132 की उपधारा (1) में संशोधन करता है, ताकि अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया जा सके।

# सामाजिक परिवर्तन के संघर्ष के लिए एक हों : आकाश आनंद

## » बसपा ने लोस चुनाव से पहले बनाई नई रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। लोकसभा चुनाव की आहट जैसे-जैसे तेज हो रही है बसपा भी अपने को मेकओवर करने में जुट गई है। जहां बसपा प्रमुख मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है वहीं समय-समय पर बीजेपी की सरकार घेरती रहती है। यहीं नहीं अपने अपने प्रतिद्वंद्वियों सपा व कांग्रेस पर भी हमला बोलती रहती हैं। इसी सिलसिले में बहुजन समाज पार्टी में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। बसपा के इतिहास में पहली बार मिसकॉल नंबर जारी किया गया है। ये नंबर आकाश आनंद से जुड़ने के लिए है।**

चूंकि वे बसपा सुप्रीमो मायावती के घोषित उत्तराधिकारी हैं तो यही टीम पार्टी के लिए भी काम करेगी। आकाश आनंद की अगुवाई में लोकसभा चुनाव से पहले बीएसपी नई शक्ल लेती दिख रही है। बसपा ने आकाश आनंद से जुड़ने के लिए 9911278181 फोन नंबर जारी किया है। एक पोस्टर पर लिखा है- मुझसे जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल करें, मेरे साथ चलें बीएसपी से जुड़ें। इस सदर्भ में आकाश ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट भी किया। उन्होंने लिखा- ना रुके हैं, ना रुकेंगे, सत्ता की 'गुरु किल्ली' लेकर रहेंगे। अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए, सामाजिक परिवर्तन के संघर्ष के लिए, देश में समतामूलक समाज बनाने के लिए हमें संगठित होना होगा, और ये आपसे शुरू होगा।

# अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर सियासी प्रवाह जारी

- » कांग्रेस के कार्यक्रम का निमंत्रण ठुकराने पर भड़की बीजेपी
- » विपक्ष बोला जन मुद्दों को दरकिनार कर लिया मंदिर का सहारा
- » दस साल में मोदी सरकार के पास गिनाने के लिए कुछ नहीं
- » कुछ संत बोले- अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा नियम के विरुद्ध
- » शिवसेना यूबीटी, टीएमसी व सीपीएम कर चुकी है किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रामंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर सियासी रार अब भी जारी है। विपक्ष जंहा इस कार्यक्रम को बीजेपी का इवेंट बता रही है तो बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर है। सबसे बड़ी बात कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी ने बीत दिन राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को स्वीकार न करने को उन्हीं के पार्टी के कुछ सदस्यों ने सही नहीं बताया है। जहां बीजेपी इस कार्यक्रम को देश के सांस्कृतिक उत्थान बता कर ढिंढोरा पीट रही है तो वहीं विपक्ष बोल रहा है भाजप ठेकेदार बनकर राजनीति कर रही है। गौरतलब हो कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने कहा कि ये भाजपा और आरएसएस का इवेंट है। इसको लेकर अब कांग्रेस पार्टी में ही विरोध बढ़ गया है। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद ने निमंत्रण को ठुकराने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला बताया है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का एक ओर जहां पूरा देश इंतजार कर रहा है, तो वहीं दूसरी ओर इस पर राजनीति भी चरम पर हो रही। अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले सियासी माहौल गर्म है। कांग्रेस नेताओं के इस समारोह का निमंत्रण अस्वीकार करने के बाद नेताओं की बयानबाजी और तेज हो गई है। इसी क्रम में बिहार के बेगूसराय से सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। उनके अलावा रविशंकर प्रसाद ने भी कांग्रेस को घेरा है।

शिवसेना (यूबीटी) भी राम मंदिर समारोह में शामिल न होने की बात कह चुका है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि पार्टी का कोई भी नेता इसमें शामिल नहीं होगा। राउत ने कहा कि ये भाजपा का कार्यक्रम है और इसमें हमारा कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं होगा। सीपीएम ने भी राम मंदिर कार्यक्रम से किनारा किया है। सीपीएम नेता वृंदा करात और सीताराम येचुरी ने इसे एक धर्म को बढ़ावा देने का कार्यक्रम बताया है। वहीं, ममता बनर्जी का इस समारोह में शामिल होना भी मुश्किल लग रहा है। इसको लेकर वो अपनी पार्टी के नेताओं को संकेत भी दे चुकी हैं।



## अखिलेश ने भी निमंत्रण ठुकराया

अखिलेश भी इस कार्यक्रम में शामिल होते नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, विश्व हिंदू परिषद की तरफ से आलोक कुमार अखिलेश को निमंत्रण देने गए थे, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया और कहा कि हम जिसे जानते नहीं उससे निमंत्रण नहीं लेते। हालांकि, अखिलेश ने आगे कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम आ रहे हैं और जब वो बुलाएंगे हम जाएंगे।

## कारसेवकों पर गोली चलाने वाले आ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नहीं : सुधांधु

कांग्रेस नेताओं के रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल न होने पर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रतिक्रि या दी है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस अपने को बदलकर दिखा सकती थी लेकिन पार्टी ने ऐसा नहीं किया। यह नेहरू का कांग्रेस है। यह महात्मा गांधी का कांग्रेस नहीं है। इन्होंने इस अवसर को अपने हाथ से गंवाया है। कांग्रेस ने हिंदू धर्म का विरोध दर्शाया है।। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेताओं के शामिल न होने पर भाजपा ने नाराजगी जाहिर की है। भाजपा नेता ने आगे कहा, आप अपने को बदलकर दिखा सकते थे, आपने ऐसा नहीं किया। यह नेहरू का कांग्रेस है। यह महात्मा गांधी का कांग्रेस नहीं है। गांधी की समाधि पर लिखा है हे राम। इन्होंने इस अवसर को अपने हाथ से गंवाया है। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि कांग्रेस ने हिंदू धर्म का विरोध दर्शाया है। चंद कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों के वोटों की वजह से कांग्रेस ने यह फैसला लिया है।राम नाम कड़वा लगे और प्यारा लगे राम तो।

दुविधा में दोनो गए, माया मिली न राम।भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा समाप्त हो चुकी है। आपको न्योता भेजा गया था। आपको सद्बुद्धि आई होती तो उनका पाप धुल जाता। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा,कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। कांग्रेस ने जी20 शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया। 2004 के बाद 2009 तक, कांग्रेस ने कारगिल विजय दिवस का बहिष्कार किया। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के नेतृत्व में मई 1998 में किए गए पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कांग्रेस ने 10 दिनों तक कोई बयान नहीं दिया। कांग्रेस ने अपनी पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के भारत रत्न समारोह का भी बहिष्कार किया था। जनता भी उनका सत्ता से बहिष्कार कर रही है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि उन लोगों को निमंत्रण भेजा गया, जिन लोगों ने कारसेवकों और रामभक्तों पर गोलियां चलाई थी। वो लोग भी इस समारोह में शामिल होंगे, लेकिन कांग्रेस इस समारोह में नहीं आएगी।

## आज कहां सिमट गई कांग्रेस : रविशंकर

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने भी कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण, पीड़ादायक और शर्मनायक है... इन्होंने सदैव राम जन्मभूमि का विरोध किया था... कांग्रेस पार्टी ने देश में राज किया था फिर भी आज कहां सिमट गई है। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को सीजनल हिंदू बताया। गिरिरराज सिंह ने कहा कि ये लोग सीजनल हिंदू हैं, जब उन्हें लगता है कि उन्हें वोट लेना है तो वे सॉफ्ट हिंदू बनने की कोशिश करते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस में तो जवाहरलाल नेहरू से लेकर अब तक कोई अयोध्या नहीं गया है। मामले को कोर्ट में लटकाने का काम तो कांग्रेस पार्टी ने ही किया था इसलिए इनमें अयोध्या जाने की नैतिक ताकत नहीं है।



## भाजपा क्या ठेकदार बन गई है : मनोज झा

दिल्ली में राजद सांसद मनोज झा ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए महात्मा गांधी का उदाहरण दे डाला है। अब इसे लेकर अलग सियासी बयानबाजी और तेज हो सकती है। मनोज झा ने कहा कि मेरे और श्रीराम के बीच सीधा ताल्लुक है। गांधी मंदिर जाकर राम भक्त नहीं बनते थे, वह अवधारणा अंदर थी, इसलिए स्वर्ग गए और हे राम कहते हुए गए...आप हैं कौन? उन्होंने यह भी कहा कि मेरे और मेरे ईश्वर के बीच यह जो ठेकेदारी का सिस्टम विकसित किया गया है, वह हिंदू धर्म का भी कभी स्वभाव नहीं रहा है।

## समारोह में सनातन धर्म के नियमों का उल्लंघन : अविमुक्तेश्वरानंद

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि शंकराचार्य इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे क्योंकि यह हिंदू धर्म के मानदंडों का पालन नहीं करता है। उन्होंने कहा कि वे किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं रखते हैं। उत्तराखंड में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह में चार शंकराचार्य शामिल नहीं होंगे। दावा किया जा रहा है कि ये प्रमुख हिंदू धार्मिक गुरु सनातन धर्म के नियमों का उल्लंघन को कारण बनाकर इस भव्य समारोह से दूरी बना रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, पुरी गोवर्धनपीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा था कि वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे क्योंकि यह शास्त्रों के खिलाफ है। निश्चलानंद ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न करेंगे और वह सिर्फ ताली बजाने के लिए समारोह में शामिल नहीं होंगे मंदिर का निर्माण पूरा किए बिना भगवान राम की मूर्तियां स्थापित करना हिंदू धर्म के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इतनी जल्दी की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण और फिर पूर्ण प्राण प्रतिष्ठा के लिए पर्याप्त समय है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मंदिर का उद्घाटन और अधूरापन एक बुरा विचार था। उन्होंने कहा कि उन्हें मोदी विरोधी कहा जा सकता है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, हम मोदी विरोधी नहीं हैं लेकिन साथ ही हम अपने धर्म शास्त्र के खिलाफ भी नहीं जा सकते।卐 इस कार्यक्रम में मशहूर हस्तियों, संतों और राजनेताओं सहित हजारों लोगों को आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। निश्चलानंद ने कहा था कि स्कंद पुराण के अनुसार, यदि अनुष्ठान ठीक से नहीं किया गया तो बुरे संकेत किसी मूर्ति में प्रवेश कर सकते हैं। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, राम मंदिर की पहली मंजिल और गर्भगृह बनकर तैयार है. अगले दो साल में मंदिर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# केंद्र व राज्यों में टकराव लोकतंत्र के लिए खतरा!

**“ अभी हाल में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल सरकार ने सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों पर बिना राज्य सरकार के इजाजत के जांच करने पर रोक लगा दी थी। इस तरह के फैसलें के बाद सियासी घमासान भी मच गया था। एकबार बंगाल में ईडी टीम के ऊपर हमले के बाद से माहौल इतना गरमाया कि कोर्ट को भी दखल करना पड़ा है।**

*पिछले कुछ सालों में केंद्र व राज्य सरकारों के बीच किसी न किसी मुद्दे पर खटपट होती रहती है। आजकल ईडी को लेकर सत्ता में बैठी बीजेपी सरकार व विपक्ष में तीखी तकरार जारी है। जंहा विपक्ष ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है वह विपक्षी नेताओं को जबरदस्ती परेशान कर रहा है। राज्य सरकार की सुरक्षा एजेंसी व केंद्रीय एजेंसियों के बीच कई बार टकराव हो चुका है। अभी हाल में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल सरकार ने सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों पर बिना राज्य सरकार के इजाजत के जांच करने पर रोक लगा दी थी। इस तरह के फैसलें के बाद सियासी घमासान भी मच गया था। एकबार बंगाल में ईडी टीम के ऊपर हमले के बाद से माहौल इतना गरमाया कि कोर्ट को भी दखल करना पड़ा है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि ईडी अधिकारियों पर कार्रवाई न हो। पांच जनवरी को संदेशखाली में ईडी की टीम पर हुए हमले में उसके तीन अधिकारी घायल हो गए और उनका सामान छीन लिया गया। हमला उस वक्त हुआ जब वे राज्य की राशन वितरण प्रणाली में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में छापेमारी के लिए टीएमसी नेता शाहजहां शेख के घर गए थे।*

*कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को निर्देश दिया कि बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में छापेमारी की कार्रवाई के बाद ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में उनके विरुद्ध कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जा सकता। ईडी ने कहा है कि पांच जनवरी को संदेशखाली में ईडी की टीम पर हुए हमले में उसके तीन अधिकारी घायल हो गए और उनका सामान छीन लिया गया। हमला उस वक्त हुआ जब वे राज्य की राशन वितरण प्रणाली में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में छापेमारी के लिए टीएमसी नेता शाहजहां शेख के घर गए थे। ईडी के वकील ने अदालत के समक्ष कहा कि उसे पता चला है कि घटना के संबंध में चार मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक ईडी ने अपने अधिकारियों पर हुए हमले को लेकर दर्ज कराया है और अन्य मामले उसके अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने मौखिक रूप से निर्देश दिया कि शेख के परिसर की तलाशी के लिए संदेशखाली गए ईडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी के संबंध में कोई कठोर कदम नहीं उठाया जा सकता। कुछ दिनों पहले हमले के मामले पर बंगाल पुलिस ने ईडी से बातचीत को लेकर जानकारी दी थी। राज्य के एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी थी कि पश्चिम बंगाल पुलिस 5 जनवरी को छापेमारी के दौरान केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों पर भीड़ पर हुए हमले के मामले को लेकर ईडी के एक अधिकारी से बात करने गई थी। अब राज्य सरकारों व केंद्र सरकार को एकसाथ बैठकर एसे विवादों से बचने का रास्ता निकालना पड़ेगा।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# अब ज्यादा भागीदारी वाले वैश्विक संस्थानों की तलाश

डॉ. एन.के. सोमानी

वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले विकसित देशों के समूह ब्रिक्स का विस्तार हो गया है। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के समूह का हिस्सा बनने के बाद पांच सदस्य देशों वाले ब्रिक्स की सदस्य संख्या बढ़कर दस हो गई है। हालांकि, अर्जेंटीना ने भी पूर्णकालिक सदस्यता हेतु आवेदन किया हुआ था लेकिन राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने ऐन वक्त पर यह कहते हुए कि हमारे लिए यह सदस्यता का सही समय नहीं है, प्रस्ताव वापस ले लिया था। अगस्त में जोहान्सबर्ग में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में समूह के नेताओं ने एक जनवरी से अर्जेंटीना समेत छह देशों को इस समूह से जोड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले समूह में सिर्फ ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे।

मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) देशों के ब्रिक्स का हिस्सा बनने के बाद अब ब्रिक्स की क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलने की क्षमता बढ़ गई है। अमेरिका और यूरोप के आर्थिक साम्राज्य को चुनौती देने वाले देशों के एक मंच पर एकत्रित होने की होड़ से पश्चिम के माथे पर भी चिंता की लकीरें दिखने लगी हैं। चिंता की बड़ी वजह है कि इन देशों की जीडीपी ग्रोथ काफी तेज है, जबकि विकसित देशों की ग्रोथ थम चुकी है। वैश्विक जीडीपी में एमईएनए देशों की हिस्सेदारी जो वर्ष 2011 में केवल 20.51 प्रतिशत थी वह वर्ष 2023 तक बढ़कर 26.62 प्रतिशत हो गई है। लेकिन जिस तरह से यूरोप और अमेरिका के प्रभाव से निकलकर ये देश एक मंच पर आ रहे हैं, उससे सवाल उठने लगा है कि अन्य संगठनों की तरह कहीं ब्रिक्स का विस्तारित रूप भी आपसी कलह का केन्द्र न बन जाए। यह सवाल इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि ब्रिक्स की दो बड़ी शक्तियों चीन और भारत के बीच संबंध हमेशा से उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। इस सवाल के बड़े होने का एक कारण यह भी है कि अमेरिका के कथित आर्थिक आभामंडल को भेदकर जो देश ब्रिक्स का हिस्सा बने हैं या बनना चाहते हैं, उनमें से कुछ चीन के प्रभाव में आ सकते हैं। भारत के लिए यह स्थिति सहज नहीं होगी।

पश्चिमी देशों की आलोचना का केन्द्र रहने के बावजूद जिस तरह से ब्रिक्स पिछले कुछ सालों में वैश्विक आर्थिक विकास का प्रेरक बन कर उभरा है, उससे विकासशील देशों को इसमें अपना भविष्य दिखने लगा है।

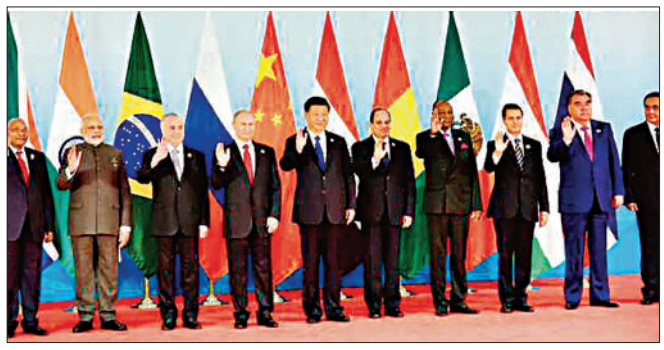

इन देशों को ब्रिक्स में दोतरफा लाभ नजर आ रहा है। प्रथम, आर्थिक और दूसरा, रणनीतिक! दोनों ही मोर्चों पर ब्रिक्स सदस्य देशों के लिए फायदा हो सकता है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपनी मजबूत अर्थव्यवस्थाओं के जरिये ब्रिक्स से लाभ लेना चाहेंगे। जिस तरह ब्रिक्स देशों का फोकस आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन पर रहा है, मिस्र जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को इसका लाभ मिल सकता है। ईरान के लिए आर्थिक और रणनीतिक दोनों ही मोर्चों पर ब्रिक्स का साथ मिलना फायदेमंद होगा। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण ईरान आर्थिक मोर्चे पर अकेला पड़ गया था। अब ब्रिक्स देशों के साथ आने से उसकी अर्थव्यवस्था आइसोलेशन से बाहर आ सकेगी। हालांकि, प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का तेल उत्पादन बढ़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अकेले अगस्त माह में ईरान ने 22 मिलयन बैरल प्रतिदिन तेल का उत्पादन किया। ईरान ने इस तेल का अधिकांश हिस्सा चीन को बेचा है। सऊदी के साथ भी अब ईरान के संबंध पहले जैसे शत्रुतापूर्ण नहीं हैं। मार्च, 2023 में चीन की मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच हुए समझौते के बाद ईरान अब पूरी तरह से खाड़ी के दूसरे देशों, लाल सागर और अफ्रीका के हॉर्न में अपनी स्थिति मजबूत करने के कार्यक्रम पर आगे बढ़ रहा है। ईरान का प्रवेश ब्रिक्स के लिए भी फायदे का सौदा है। ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिये उत्तर-दक्षिण के देशों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी। भारत पहले से ही चाबहार परियोजना से जुड़ा है। नि:संदेह, पश्चिमी देशों की आलोचना का केन्द्र रहने के बावजूद जिस तरह से पिछले कुछ सालों में ब्रिक्स वैश्विक आर्थिक विकास का एक प्रमुख प्रेरक बन कर उभर रहा है, उसे देखते हुए पश्चिमी देशों का यह कहना कि ब्रिक्स का अपना कोई साझा दृष्टिकोण नहीं है और यह केवल 'बातचीत की दुकान' है, उचित नहीं है।

ब्रिक्स की आलोचना करने के बजाय इसके शिखर सम्मेलनों और बैठकों में उठाए जा रहे मुद्दों पर गौर करना चाहिए। ब्रिक्स देश बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करते हैं। इन देशों का मानना है कि ब्रह्मांड में मौजूद संसाधनों पर गिने-चुने देशों का प्रभाव होने के बजाय समस्त मानवता के लिए ये उपलब्ध हों।

# पर्यटकों को लुभाने के लिए बने नयी रणनीति

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन 8 जनवरी को गूगल सर्च पर भारत के लक्षद्वीप की खोज 20 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचते हुए लक्षद्वीप विश्व पर्यटन मानचित्र पर छाते हुए दिखाई दिया है। इसके पीछे घटनाक्रम यह है कि चार जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समुद्र से घिरे और खूबसूरत लक्षद्वीप पर पहुंचे थे। यहां से उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर कीं और भारतीयों से लक्षद्वीप घूमने की अपील करते हुए कहा कि जो लोग रोमांच को पसंद करते हैं उनके लिए लक्षद्वीप टॉप लिस्ट में होना चाहिए। वस्तुत: अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश माना गया कि लक्षद्वीप के शानदार समुद्र तट प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ शांति के मामले में भी मालदीव को टक्कर देते हैं। ऐसे में कम समय व कम खर्च में मालदीव जैसा आनंद लक्षद्वीप में क्यों नहीं? गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने लक्षद्वीप का दौरा करके भारत से बेरुखी और चीन के प्रति बार-बार प्यार दिखा रहे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को नई पर्यटन चुनौती का झटका देने का संदेश दिया।

दुनिया में पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध देशों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है। ऐसे में लक्षद्वीप का यह हालिया पर्यटन घटनाक्रम और ऐसे ही घरेलू पर्यटन स्थलों को रेखांकित करते हुए नए रणनीतिक प्रयास करने होंगे। ऐसे प्रयास न केवल भारतीय पर्यटकों के विदेशी पर्यटन स्थलों की ओर बढ़ते प्रवाह को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं, वरन दुनिया के कोने-कोने के देशों के पर्यटकों के कदमों को भारत की ओर मोड़ने में भी प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले दिनों श्रीलंका, थाईलैंड और मलेशिया ने भारतीय पर्यटकों को तेजी से आकर्षित करने तथा पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। ऑस्ट्रेलिया वियतनाम और रूस सहित कुछ अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी अधिक से अधिक भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वीजा की प्रक्रिया आसान बनाई गई है। वस्तुत: अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के कई देशों के वीजा के लिए प्रतीक्षा अवधि लंबी और चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या कम होने के कारण भी ये देश विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की नई रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं।

इतना ही नहीं, दुनिया के पर्यटन प्रधान देशों द्वारा विदेशी पर्यटकों से संबंधित उन शोध अध्ययनों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिनमें कहा जा रहा है कि भारतीय मध्यम वर्ग की तेजी से बढ़ती क्रय शक्ति के कारण उनमें विदेश यात्रा की ललक और अभिरुचि बढ़ी है। साथ ही भारतीय पर्यटकों के लिए भारत के कोने-कोने के अच्छे पर्यटन स्थल महंगे और मुश्किल भरे हुए हैं। ऐसे में भारतीयों की छलांगें लगाकर बढ़ती हुई पर्यटन संभावनाओं के मद्देनजर भारतीय पर्यटकों को लुभाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हुए सस्ते और सुगम पर्यटन की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थिति यह है कि चाहे दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों के लिए रेखांकित हो रहे फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली हों या फिर सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, हांगकांग, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) जैसे छोटे-छोटे देश हों, ये सभी देश पर्यटन के लिए बुनियादी ढांचा, सुगमता, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) रैंकिंग में ऊंचाई पर हैं।

इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय पर्यटकों की विदेश यात्राओं के दौरान किए जाने वाले खर्च का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, दूसरी ओर विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में किए जाने वाले खर्च के ग्राफ की वैसी ऊंचाई नहीं है। विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में खर्च 2019 से 76 फीसदी की वृद्धि के साथ 2027 तक करीब 60 अरब डॉलर पर पहुंचते हुए दिखाई देगा इसके परिणामस्वरूप भारत विदेशी पर्यटकों से कमाई के मामले में दुनिया के प्रमुख 10 बाजारों में शामिल नहीं हो पाएगा। यदि हम बर्नस्टीन की इस रिपोर्ट का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि यद्यपि भारत में भी कोविड-19 के बाद विदेशी पर्यटक बढ़ रहे हैं और विदेशी पर्यटकों से आमदनी बढ़ रही है, लेकिन विदेश जाने वाले भारतीयों द्वारा विदेश भ्रमण में किए जा रहे भारी-भरकम व्यय की तुलना में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों से भारत की आमदनी बहुत कम है। अभी भी दुनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है।

एक ओर भारतीयों का विदेशी पर्यटन की तरफ तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क से भी विदेशी पर्यटन को बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। कश्मीर सहित देश के कोने-कोने के पर्यटन केंद्र अब पहले से अधिक सुरक्षित हैं। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। सरकार ने इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के कार्यसमूह की रणनीतिक रूप से देश के कोने-कोने में 80 से अधिक शहरों में आयोजित 200 से अधिक विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेने भारत आए विदेशी प्रतिनिधियों और विदेशी मेहमानों को भारत के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार-प्रसार का अभूतपूर्व मौका बनाया है।

# इनएक्टिव लाइफस्टाइल की वजह बन सकता है वायू प्रदूषण

वायू प्रदूषण एक बहुत गंभीर चुनौती बनकर हमारे सामने खड़ी है। त्तृ लेवल बढ़ता स्तर, कई बीमारियों की वजह बन सकता है। यह न केवल फेफड़ों से संबंधित बीमारियों बल्कि दिल की बीमारियां, डायबिटीज, इनफर्टिलिटी और डिमेंशिया, जैसी खतरनाक बीमारियों की वजह बन सकता है। वायू प्रदूषण से बचाव का सबसे कारगर तरीका है, घर के बाहर कम से कम निकलना। इसी से जुड़ी एक स्टडी में पता चला है कि वायू प्रदूषण की वजह से सेडेंटरी लाइफस्टाइल को बढ़ा सकता है। आइए जानते हैं क्या पाया गया इस स्टडी में और कैसे वायू प्रदूषण से बचाव के साथ-साथ कैसे कर सकते हैं सेडेंटरी लाइफस्टाइल से बचाव।

## क्या पाया गया स्टडी में?

लीसेस्टर विश्वविद्यालय की एक स्टडी के मुताबिक, वायू प्रदूषण का वर्तमान स्तर हर दिन 22 मिनट तक सेडेंटरी लाइफस्टाइल में वृद्धि हो सकती है। इस वजह से कई बीमारियों के होने का खतरा भी बढ़ जाता है। वायू प्रदूषण की वजह से लोग ज्यादातर कोशिश करते हैं कि वे अपने घरों में ही रहें और बाहर कम से कम निकलें। इस वजह से उनकी लाइफस्टाइल काफी इनएक्टिव हो सकती है। वायू प्रदूषण की वजह से लोगों की एक्सरसाइज करने की क्षमता कम हो सकती है, जिस कारण से भी फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती है। इस कारण से फीडबैक लूप में क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप वायू प्रदूषण से बचाव करने के साथ-साथ अपनी लाइफस्टाइल को भी एक्टिव रखने की कोशिश करें। ऐसा करने के लिए आप कुछ टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

## डांसिंग

घर के भीतर एक्टिव रहने का सबसे बेहतर तरीका है, डांसिंग। डांस करने से आपकी बॉडी की एक्सराइज होती है, जो आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसलिए आप चाहें तो अकेले या अपने परिवारजनों के साथ मिलकर डांस कर सकते हैं। यह आपके लिए एक फन फैमिली एक्टिविटी भी हो सकती है।

## योग

योग करने से आपकी बॉडी फिट रहती है और इसके लिए आपको कहीं बाहर जाने की भी जरूरत नहीं होती। इसलिए आप योग को अपनी लाइफ का हिस्सा बना लें। इससे आपकी बॉडी की प्लेक्सिबिलिटी भी बढ़ती है और कई बीमारियों से बचाव में भी मदद मिलती है।

## स्क्रीन टाइम कम करें

ज्यादा समय तक फोन चलाने या टीवी देखने के लिए हम एक ही जगह पर कई देर तक बैठे रहते हैं। इस कारण से हमारी फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती है। इसलिए कोशिश करें कि स्क्रीन टाइम कम करें। इसके बदले आप अपने घर में थोड़ी देर टहल सकते हैं।

## फन-फैमिली टाइम

अपने घर में ही आप अपने परिवारजनों के साथ मिलकर कोई ऐसी एक्टिविटी कर सकते हैं, जो आपको फिजिकली एक्टिव रहने में मदद करे। जैसे, आप चाहें तो हूला हूप्स का इस्तेमाल कर, एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसे करने में आपको मजा भी आएगा और आप फिजिकली एक्टिव भी रहेंगे।

## इंडोर एक्सरसाइज

अपने घर में आप स्कवॉट्स, जंपिंग जैक्स, प्लैंक्स जैसी कई एक्सरसाइज आसानी से कर सकते हैं। इससे आपकी फिजिकल एक्टिविटी बढ़ेगी और आप फिट रहेंगे। इसलिए अपने घर में ही लाइट एक्सरसाइज करने की कोशिश करें।

## हंसना मना है

डॉक्टर: तुम्हारी एक किडनी फेल हो गई है। मंटू: पहले तो बहुत रोया, फिर रोते हुए बोला साहब ये भी बता दीजिए कि कितने नंबर से फेल हुई है...?

लड़की: क्या करते हो? लड़का: नारी सम्मान सेवा पर काम करता हूं। लड़की: वाह सोशल वर्कर हो? लड़का: नहीं, फेसबुक पर लड़कियों की फोटो Like करता हूं! पति: आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी: वाह कैसे पहचाना। पति: जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

टीचर :लड़कियां अगर पराया धन होती हैं तो लड़के क्या होते हैं? सोनू: सर लड़के चोर होते हैं। टीचर: वह कैसे? क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराए धन पर होती है।

पत्नी: तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं। पति: तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर!

## कहानी — लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पे अपने घर बुलाया। हंस दावत पे गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई। लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये क्यूंकि हंस का मुँह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके। इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खाये रही थी क्यूंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था। इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी सारी खीर चट कर डाली। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुँह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था। इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पे बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पे आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुँह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुँह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुँह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी। इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

**कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।**

## 5 अंतर खोजें

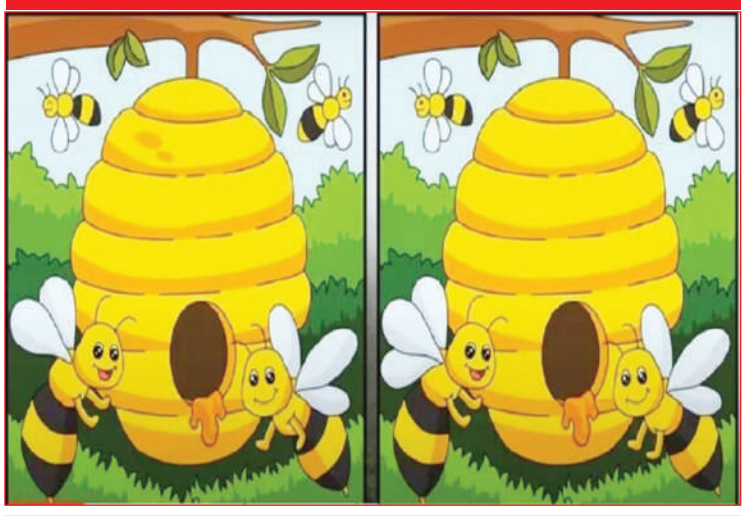



## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**



बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

**वृषभ**



आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

**मिथुन**



आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**कर्क**



आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

**सिंह**



नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

**कन्या**



व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

**तुला**



वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

**वृश्चिक**



भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

**धनु**



अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

**मकर**



दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

**कुम्भ**



आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा।

**मीन**



विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

# मां के एक वाक्य ने मुझे आत्महत्या करने से बचा लिया था : ए आर रहमान

सुरों के बेताज बादशाह एआर रहमान अपनी मेहनत और रूहानी आवाज के दम पर दुनिया भर में मशहूर हैं। एआर रहमान सटीक और सधे हुए बयान देकर फैंस का खासा ध्यान आकर्षित करते हैं। इसी कड़ी में रहमान ने अपनी आध्यात्मिकता के सफर पर प्रकाश डाला है। साथ ही बताया है कि वह अपने जीवन में भावनात्मक रूप से कठिन क्षणों से कैसे उबरते हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में, प्रसिद्ध संगीतकार ने उन्हें डार्क विचारों से निपटने के बारे में एक मूल्यवान सबक देने के लिए अपनी मां को श्रेय दिया। एआर रहमान ने हाल ही में ऑक्सफोर्ड यूनियन डिबेटिंग सोसाइटी के छात्रों की एक सभा को संबोधित किया, जिन्होंने उनसे उनके जीवन और करियर के बारे में सवाल पूछे। एक छात्र ने आध्यात्मिकता पर अपने विचारों से उन्हें बुरे दौर से बाहर निकालने के लिए रहमान को धन्यवाद दिया। यह पूछे जाने पर कि वह अध्यात्मवाद के बारे में अधिक बात क्यों नहीं करते, रहमान ने कहा, हम सभी का बुरा समय रहा है। एक बात निश्चित है, यह इस दुनिया में एक छोटी सी यात्रा है। हम पैदा हुए हैं, और हम जा रहे हैं। यह हमारे लिए कोई स्थायी जगह नहीं है। हम कहां जा रहे हैं, हम नहीं जानते। यह हर एक व्यक्ति की अपनी कल्पना और विश्वास पर निर्भर करता है। एआर रहमान ने खुलासा किया कि एक बार उन्हें छोटी उम्र में आत्महत्या करने का विचार आया था, और उस वक्त उनकी मां करीमा बेगम के शब्द थे जिन्होंने उनकी मदद की। उन्होंने यह भी साझा किया कि क्या चीज उन्हें आज भी आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने आगे कहा, जब मैं छोटा था तो मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे तो मेरी मां कहा करती थीं कि जब आप दूसरों के लिए जिएंगे तो ये विचार आपके मन में नहीं आएंगे। यह मेरी मां से मिली सबसे खूबसूरत सलाह में से एक है। जब आप दूसरों के लिए जीते हैं, और आप स्वार्थी नहीं होते हैं, तो आपके जीवन का एक अर्थ होता है।

# डॉन-3 में रणवीर सिंह से टक्कर लेंगे इमरान हाशमी

डॉन फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट के लिए रणवीर सिंह का नाम कन्फर्म कर दिया है। फिल्म के डायरेक्टर फरहान अख्तर इन दिनों फिल्म के बाकी कलाकारों की कास्टिंग में व्यस्त चल रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि फेमस एक्टर इमरान हाशमी फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आ सकते हैं।

रणवीर सिंह स्टारर डॉन 3 उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन सकती है। इस फिल्म में खलनायक के रोल में नजर आने वाले कलाकारों के लेकर लंबे समय से बाजर गर्म है। इस समय एक्टर इमरान हाशमी का नाम इस मामले में सुनने में आ रहा है, जिनको लेकर ये कहा जा रहा है कि डॉन 3 में वह निगेटिव रोल निभाते हुए नजर आ सकते हैं। दरअसल इसके पीछे की वजह ये है कि हाल ही में इमरान हाशमी को डॉन 3 के निर्देशक फरहान अख्तर के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया है। इस मौके का एक वीडियो इंटेस्टेंट बॉलीवुड ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो के सामने आने के बाद ये कयास लगना शुरू हो गए हैं कि हो सकता है कि इमरान हाशमी डॉन 3 में रणवीर सिंह से मुकाबला करते हुए नजर आ सकते हैं। इमरान हाशमी के फिल्म में शामिल होने की खबर अभी पक्की नहीं बताई जा रही है। मेकर्स और एक्टर की पीआर टीम की तरफ से कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर इस खबर के वायरल होने के बाद से यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि इमरान हाशमी की फिल्म में शामिल किया जाना चाहिए। बता दें कि हाल ही में सलमान खान की स्पाई थ्रिलर टाइगर 3 में विलेन आतिश रहमान के रोल में इमरान ने काफी वाहवाही लूटी थी।

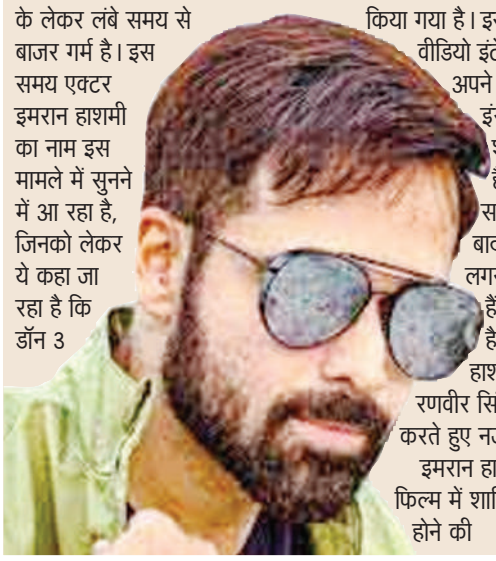

इमरान हाशमी फिल्म डॉन 3 में अगर विलेन बनते हैं तो ये पहली बार नहीं होगा, जब एक्टर किसी फिल्म में विलेन का रोल अदा करेंगे। इससे पहले इमरान हाशमी फिल्म मर्डर, गैंगस्टर, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई, चेहरे और टाइगर 3 जैसी फिल्मों में निगेटिव किरदार अदा कर सुर्खियां बटोर चुके हैं। एक दमदार एक्टर के तौर पर इमरान हाशमी फिल्मों में किसी भी जॉनर की भूमिका को बखूबी निभाना जानते हैं।

# तीन साल की उम्र में कास्टिंग काउच का दर्द झेल चुकी हैं फातिमा सना शेख

दंगल गर्ल के नाम से मशहूर फातिमा सना शेख ने इंडस्ट्री में कदम रखते ही अपनी एक खास पहचान बना ली। फातिमा ने अपने हर किरदार को पूरी शिद्दत से पर्दे पर उतारा है। आज उनके चाहने वाले पूरे देश में मौजूद हैं, जो न सिर्फ फातिमा की अदाकारी पर फिदा हैं, बल्कि उनकी खूबसूरती भी देखते रह जाते हैं। एक्ट्रेस के फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं।

हालांकि, उनके लिए यहां तक पहुंच पाना आसान नहीं था। 11 जनवरी, 1992 में फातिमा का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। एक्ट्रेस के पिता विपिन शर्मा जम्मू के एक हिन्दू परिवार से हैं, जबकि उनकी मां राज तबस्सुम श्रीनगर की मुस्लिम फैमिली से ताल्लुक रखती हैं।

फातिमा ने एक बार अपने इंटरव्यू में बचपन की बुरी यादों को ताजा करते हुए खुलासा किया था कि उन्हें बहुत छोटी उम्र में ही सेक्शुअल हैरेसमेंट का सामना करना पड़ा था। एक्ट्रेस ने बताया, जब मैं 5 साल की थी तब मेरे साथ छेड़छाड़ की गई थी। नहीं! मैं 3 साल की थी। तो आप समझ ही सकते हैं कि सेक्सिज्म कितना गहरा है। यह एक ऐसी लड़ाई है, जिससे हम हर दिन लड़ते हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि हमारा भविष्य बेहतर होगा। फातिमा ने अपने एक इंटरव्यू में बहुत बेबाकी से फिल्मी दुनिया का काला सच भी सामने रखा था। उन्होंने बताया था कि वह कास्टिंग काउच से भी जूझ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं कास्टिंग काउच का सामना कर चुकी हूं। मुझे ऐसे लोग मिले हैं, जो मुझसे कहते थे कि आप सेक्स के जरिए ही इंडस्ट्री में काम पा सकती हैं। इस कारण मुझे कई बार काम से हाथ भी धोना पड़ गया और मेरी जगह फिल्मों में किसी और को कास्ट कर लिया गया, लेकिन मुझे लगता है कि इस इंडस्ट्री के बाहर भी बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो ऐसी कई मुश्किलों का सामना करते हैं। सेक्सिज्म हर इंडस्ट्री में होता है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है 'व्हिस्की युद्ध', पिछले साल हुआ समझौता

# दो मजबूत देशों के बीच 30 साल चला युद्ध, पर नहीं गयी किसी की भी जान

युद्ध का जिक्र आते ही चारों ओर लाशों के ढेर, बमबारी, गोलीबारी करते सैनिकों का ख्याल मन में आता है। रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास युद्ध सबके सामने है, जिसमें हजारों लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। लेकिन अगर आपसे कहा जाए कि दुनिया में एक युद्ध ऐसा भी हुआ जो शांतिपूर्ण था, जिसमें एक भी शख्स की जान नहीं गई, तो क्या आप यकीन करेंगे? शायद नहीं, लेकिन यह बात 100 फीसदी सच है। यह युद्ध 30 साल तक चला और एक भी नागरिक की इसमें मौत नहीं हुई। यहां तक कि गोलियां भी नहीं चलीं। जंग भी कोई ऐसी-वैसी नहीं, दो मजबूत मुल्कों के बीच थी। पूरा मामला जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

हम बात कर रहे डेनमार्क और कनाडा के बीच युद्ध की। 1970 से ये युद्ध चला आ रहा था और पिछले साल इसमें एक समझौता हुआ। दोनों देश एक बंजर द्वीप के लिए आपस में लड़ रहे थे, जिसका नाम हंस आइलैंड है। आर्कटिक चैनल में एक वर्ग किलोमीटर से थोड़े बड़े आकार का यह द्वीप निर्जन है। मौसम स्टेशन के अलावा यहां कुछ भी नहीं। कोई रहता नहीं। कोई प्राकृतिक संसाधन

भी नहीं। लेकिन 30 साल से कनाडा और डेनमार्क इस पर अपना कब्जा होने दावा कर रहे थे। नतीजा, दोनों देश बारी-बारी से अपनी सेना को छोटे से द्वीप पर भेजते थे। बार-बार अपना झंडा फहराते थे और दूसरे देश का झंडा हटाकर फेंक देते थे।

दोनों देशों के बीच कई बार तनाव काफी ज्यादा बढ़ जाता था। 1933 में लीग ऑफ नेशंस ने डेनमार्क के पक्ष में फैसला सुनाया था। लेकिन लीग ऑफ नेशंस के खत्म होने के बाद कनाडा ने उस फैसले को मानने से इनकार कर दिया। 1984 में ये मुद्दा उस वक्त गरमा गया, जब कनाडाई सेना ने द्वीप पर एक झंडा लगाया और 'वेल्कम टू कनाडा' लिखकर व्हिस्की की एक बोतल छोड़ी। एक हफ्ते बाद डेनमार्क के मंत्री उस झंडे को हटाने के लिए हंस आइलैंड पहुंच गए। शराब की एक बोतल और एक नोट छोड़ा, जिसमें लिखा था, 'डेनमार्क में आपका स्वागत है'।

डेनमार्क के एक मंत्री हंस आइलैंड पहुंच गए। वहां डेनमार्क का झंडा लगाया और 'वेल्कम टू डेनिश आइसलैंड' लिखकर एक शराब की बोतल छोड़ दी। बाद में डेनमार्क के सैनिक भी वहां पहुंच गए और अपने देश का झंडा लगाकर 'वेल्कम टू कनाडा' लिख दिया। उन्होंने भी व्हिस्की की एक बोतल छोड़ दी। तब से बार-बार दोनों देशों की सेनाएं यही काम कर रही थीं। इसी वजह से इसे 'व्हिस्की युद्ध' भी कहा गया। सुनने में यह मजाक लगता होगा, लेकिन इसके पीछे गंभीर तनाव था। मगर पिछले साल ये शांतिपूर्ण युद्ध खत्म हो गया। पिछले साल कनाडा और डेनमार्क के बीच एक समझौता हुआ। दोनों देशों ने द्वीप का आधा-आधा हिस्सा बांट लिया। डेनमार्क के किनारे वाला भाग डेनमार्क को मिला और कनाडा की तरफ जो हिस्सा था, वो कनाडा को मिला।

# यहां आज भी गुफाओं में रहते हैं लोग घरों को देख भूल जाएंगे लग्जरी विला!

इटली का सासी डी मटेरा गांव। यहां लोग गुफा जैसे घरों में रहते हैं। आप इन्हें आदिमानव नहीं कह सकते। घर ऐसे हैं कि लग्जरी विला को भूल जाएंगे। कहा जाता है कि इटली में सबसे पहली मानव बस्ती यहीं बसी थी। करीब 7 हजार साल पहले। यहां पर घर चूने की चट्टानों को खोदकर बनाए गए हैं। कई जगहों पर घरों के ऊपर ही सड़क बनी हुई है, जिन्हें देखकर आप हैरान रह जाएंगे। दुनिया में लाखों गांव हैं, जिनमें करोड़ों लोग रहते हैं। कई तो बेहद रहस्यमयी हैं। आज हम आपको ऐसे ही एक गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। इटली का सासी डी मटेरा गांव। यहां लोग गुफा जैसे घरों में रहते हैं। आप इन्हें आदिमानव नहीं कह सकते। घर ऐसे हैं कि देखकर लग्जरी विला को भूल जाएंगे। कहा जाता है कि इटली में सबसे पहली मानव बस्ती यहीं बसी थी। गुफाओं के बारे में आपने बहुत सुना होगा, कुछ देखे भी होंगे। लेकिन दक्षिणी इटली के सासी डी मटेरा गांव को देखेंगे तो सब भूल जाएंगे। एक ऐसा गांव जो गुफानुमा घरों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। इस इलाके की खासियत यह है कि यहां लोग आज भी उन घरों में रह रहे हैं, जहां नौ हजार साल पहले उनके पुरखे रहते थे। आप जानकर हैरान होंगे कि सासी डी मटेरा गांव को चट्टानों में उकेरा गया है। कहते हैं कि तकरीबन 9 हजार साल पहले यहां कुछ प्राकृतिक गुफाओं में लोग रहा करते थे। लेकिन आबादी बढ़ने के साथ-साथ लोग चूने की चट्टानों को खोदकर घर बनाते गए। कुछ शुरुआती घर पत्थर की झोपड़ियों की तरह दिखते हैं, लेकिन घर के पीछे साधारण गुफाएं हैं। जैसे-जैसे शहर का विकास हुआ, यह जगह संकरी गलियों और सीढ़ियों में बदलती चली गई। क्योंकि निवासियों को जहां भी चट्टान दिखती थी, वहां खुदाई करने लगते। अपना घर बनाने लगते। चट्टानों में गुफाएं ऐसे खोदी गई हैं कि कई जगहों पर घरों के ऊपर ही सड़क बनी हुई नजर आती है। पहले यहां एक एक बड़ी नदी हुआ करती थी, लेकिन इसी वजह है कि अब नदी एक छोटी सी धारा में तब्दील हो गई है। 20वीं सदी के अंत तक, मटेरा क्षेत्र इटली के सबसे गरीब इलाकों में से एक था। वहां न तो बिजली थी, और न ही सीवेज सिस्टम। कोई दुकानें भी नहीं थीं। यहां के लोग सिर्फ रोटी, तेल, कुचले हुए टमाटर और मिर्च मिलाकर खाते थे। बड़े परिवार अपने पशुओं के साथ रहते थे। गंदगी की वजह से यहां अक्सर मलेरिया जैसी बीमारियां फैला करती थीं। सरकार ने 1950 में यहां से लोगों को जबरन निकालकर आधुनिक बस्तियों में भेजा, ताकि उनका जीवन स्तर सुधर सके। मटेरा का भाग्य 1993 के बाद बदल गया जब यूनेस्को ने मटेरा के सासी और गुफा चर्चों को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। इसके बाद इन्हें देखने के लिए पर्यटकों की बाढ़ आ गई। तब कई ढहती गुफाओं का जीर्णोद्धार किया गया। उन्हें आरामदायक घरों, स्टाइलिश होटलों और रेस्तरां में बदल दिया गया। आज यहां कई घर लग्जरी विला से भी शानदार हैं।

# भाजपा ने भारतीयों का किया अपमान : सिद्धारमैया

## कांग्रेस आलाकमान के समारोह में न जाने का किया समर्थन, बोले- धार्मिक कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम बना दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस के इस फैसले का समर्थन किया है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने धार्मिक कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम में बदलकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया है।**

सिद्धारमैया ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव के शैव और शाक्तों का राम मंदिर में कोई अधिकार नहीं है, वाले बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। राजनीति के लिए राम मंदिर के नाम का इस्तेमाल करने के विरोध में चार शंकराचार्यों ने भी इस समारोह में शामिल न होने का फैसला किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कर्नाटक के सीएम ने कहा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने का बिल्कुल सभी फैसला लिया है। मैं इस फैसले का समर्थन करता हूं।उन्होंने इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ परिवार के नेताओं पर धार्मिक कार्यक्रम

को राजनीतिक बनाकर भगवान राम और 140 करोड़ भारतीयों का अपमान करने का आरोप लगाया है।

यह सभी हिंदुओं के साथ विश्वासघात है। यह एक धार्मिक कार्यक्रम है जिसे श्रद्धापूर्वक आयोजित करना चाहिए था, लेकिन इसे राजनीतिक प्रचार बना दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि राम जन्मभूमि विवाद के पहले दिन से ही कांग्रेस अपने रुख पर कायम है।

### पीएम मोदी ने दस साल में कुछ नहीं किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, पीएम मोदी को देश की सत्ता संभालते हुए 10 साल हो गए, लेकिन मतदाताओं के सामने अपनी उपलब्धियों के आधार पर चुनाव जीतने का आत्मविश्वास उनके भीतर नहीं है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा हड़बड़ी में यह कार्यक्रम कर रही है। कर्नाटक के सीएम ने कहा कि जनता भाजपा और संघ परिवार की राजनीति को समझ रही है। वे इनके जाल में फंसने वाले नहीं हैं। जनता अभी से ही राम मंदिर के निर्माण के लिए ईंट के नाम पर लिए गए दान का हिसाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि हमें उस हिंदू धर्म से परेशानी नहीं है, जिसका पालन महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, नारायण गुरु जैसे महान व्यक्तियों ने किया है। हमें भाजपा के पाखंडी हिंदुत्व से परेशानी है, जो धर्म के नाम पर राजनीति करती है।

### हम सब राम के वंशज : इमरान मसूद

नई दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की ओर से अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण अस्वीकार करने के मसले पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद का बड़ा बयान सामने आया है। इमरान मसूद ने कहा कि राम हमारे आराध्य हैं। हम सब राम के वंशज हैं, राम के घर का न्यौता नहीं, राम तो बुलाने वाले हैं, ये राम को लाने वाले कहां से हो गए, हमें नई चीजों पर बात करनी है, बीजेपी और आरएसएस के इस आयोजन में हमारे लिए निगेटिव प्रचार किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम राम को मानने वाले हैं, राम को लेकर जो सम्मान कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस यूपी प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे के मन में है वही सम्मान इमरान मसूद के मन में भी है।

### कांग्रेस एमएलसी ने भी दिया वरिष्ठ नेताओं का साथ

मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और अधीर रंजन चौधरी द्वारा रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर भाजपा ने आलोचना की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के इस फैसले को पार्टी के एमएलसी बीके हरिप्रसाद ने सही ठहराया है। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल सही निर्णय है। सभी कांग्रेसी इस फैसले का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि इसका धर्म के साथ कोई लेना-देना नहीं है। यह कोई धार्मिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राजनीतिक कार्यक्रम है। भाजपा-आरएसएस-वीएचपी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का फैसला बिल्कुल सही है। जगतगुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म के प्रमुख है और जब प्रमुख ने ही इस कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया तो आप क्या इन्हें हिंदू विरोधी कहेंगे?

### मुझे राम मंदिर मुद्दे पर राजनीति नहीं करना : उमर अब्दुल्ला

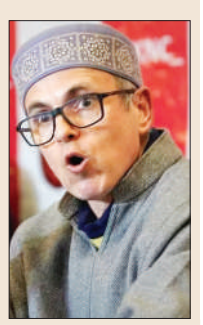

श्रीनगर। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर भी जारी है। कुछ पार्टियों के नेता निमंत्रण मिलने के बावजूद कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं तो कई पार्टियों के नेता निमंत्रण मिलने से प्रफुल्लित नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ ऐसे नेता भी हैं जिन्हें अभी निमंत्रण नहीं मिला है और उन्हें भरोसा है कि उन्हें निमंत्रण मिलेगा भी नहीं। ऐसे ही नेताओं में शामिल हैं नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला। उमर अब्दुल्ला ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कायक्रम को लेकर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया और कहा कि वह इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते हैं। ''मैं राम मंदिर के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। यह न तो पहला उद्घाटन है और न ही आखिरी। हमने पहले भी उद्घाटन देखे हैं। यदि आप इसमें राजनीति लाना चाहते हैं, तो यह आप पर निर्भर है। मैं इस मुद्दे पर राजनीति में शामिल नहीं होना चाहता। यह पूछे जाने पर कि निमंत्रण मिलने पर क्या वह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यकीन है कि आमंत्रित नहीं किया जाएगा। उमर ने कहा, ''आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं कि मैं जाऊंगा या नहीं? बिन बुलाए कौन जाता है? मैं जानता हूं कि मुझे आमंत्रित नहीं किया जाएगा। उद्योगपति, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और अन्य...जिन्हें निमंत्रित करना था, उन्हें निमंत्रण मिल चुका है।'' उमर ने सवाल किया, ''उनके नाम (निमंत्रित किए गए लोगों के) तो हर कोई जानता है। क्या आपने सूची में मेरा नाम देखा है? नहीं, जब उनका मुझे आमंत्रित करने का कोई इरादा नहीं है, तो हम अगर-मगर में क्यों पड़ें?''

# कार एक्सीडेंट में बाल बाल बचीं महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती गुरुवार को उस समय बाल-बाल बच गईं जब उनका वाहन दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के संगम इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, संगम इलाके में महबूबा की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई।**

महबूबा मुफ्ती को कोई चोट नहीं आई; हालाँकि, रिपोर्टों में कहा गया है कि उनके ड्राइवर के पैर में मामूली चोट आई है। मुफ्ती आग लगने की घटना के पीड़ितों से मिलने के लिए खानबल जा रही थीं। वहीं, उनकी निजी सुरक्षा में तैनात एक पुलिस अधिकारी को मामूली चोटें आईं। पीडीपी अध्यक्ष अपनी निर्धारित यात्रा पर आगे बढ़ीं। उनकी बेटी इल्तिजा ने एक्स पर पोस्ट किया, मुफ्ती की कार अनंतनाग के रास्ते में एक भयानक दुर्घटना का शिकार हो गई। ईश्वर की कृपा से वह और उनके सुरक्षा अधिकारी बिना किसी गंभीर चोट के सुरक्षित बच गए।

# सीएम मान को झूठ बोलने की आदत : सुखवीर

## मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर किया मानहानि का केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मुक्तसर (पंजाब)। अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने गुरुवार को मुक्तसर अदालत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के खिलाफ मानहानि का केस दायर कर दिया है। सुखबीर बादल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान बादल परिवार के खिलाफ लगातार झूठे बयान दे रहे हैं। जिस कारण उन्होंने आज मुख्यमंत्री के खिलाफ अदालत में मानहानि का केस दायर किया है।**

मुक्तसर अदालत में मुख्यमंत्री मान के खिलाफ केस दायर करने पहुंचे शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि भगवंत मान की झूठ बोलना आदत है। वे कई बार मुख्यमंत्री को उनके परिवार के बारे में झूठ बोलने को लेकर चेतावनी दे चुके थे। मगर मान उनके परिवार के खिलाफ झूठ बोले जा रहे हैं। पहले तो

वह चुप थे लेकिन अब भगवंत मान राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वह अब तो कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे कि वह बादल परिवार के खिलाफ झूठ बोले। सुखबीर बादल के अनुसार मुख्यमंत्री मान ने बयान दिया था कि बालासर स्थित जो उनका फार्म है, वहां जो नहर निकाली गई है वह बादल के खेतों के लिए ही निकाली गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उनकी ट्रांसपोर्ट कंपनी के बारे में झूठा बयान दिया कि बादल परिवार ने अपनी सभी बसों के परमिट एक्सटेंशन करवा कर चंडीगढ़ ले गए हैं।

सुखबीर बादल ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को कोर्ट की तरफ से नोटिस भेजा था, जिसमें उनका कोई जवाब नहीं आया। जिसके बाद उन्होंने गुरुवार को मुक्तसर की अदालत में मुख्यमंत्री के खिलाफ डेफेमेशन का केस दायर कर दिया है। वे मुख्यमंत्री को मुक्तसर की अदालत में लेकर आएंगे जिस पर उन्हें पता चलेगा कि झूठ बोलने की सजा क्या होती है।

### सुप्रीम कोर्ट ने नवाब मलिक की जमानत छह माह तक के लिए बढ़ाई

ईडी ने कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मामले में मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था। मलिक ने यह दावा करते हुए उच्च न्यायालय से राहत मांगी थी कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मलिक ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए जा रहे मामले में चिकित्सा आधार पर जमानत देने से इनकार करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के 13 जुलाई, 2023 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू के बाद मलिक को दी गई मेडिकल जमानत की अवधि बढ़ा दी, जिसमें उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं है। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि मलिक किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं और पिछले साल 11 अगस्त को दो महीने के लिए अंतरिम जमानत मिलने के बाद से उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। ईडी ने कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मामले में मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था।

# शिवम के कमाल से अफगानिस्तान बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच भारत 6 विकेट से जीता। इस जीत के साथ भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपना अजेय रिकार्ड जारी रखा। भारत की जीत के हीरो आलराउंडर शिवम दुबे रहे। शिवम दुबे ने पहले गेंदबाजी करते हुए 1 विकेट झटका, वहीं बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 60 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और पारी की दूसरी गेंद पर रोहित शर्मा रन आउट हो गए। रोहित बिना खाता खोले लौट गए।**

» पहले टी-20 मैच में भारत 6 विकेट से जीता

शुभमन गिल और तिलक वर्मा ने तेज बल्लेबाजी की। शुभमन ने 12 गेंद पर 5 चौके लगाकर 23 रन बनाए, वहीं तिलक वर्मा ने

22 गेंद में 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 26 रन बनाए। शुभमन को चौथे ओवर में मुजीब-उर-रहमान ने गुरबाज के हाथों स्टंप आउट करवाया। वहीं, तिलक वर्मा को नौंवे ओवर में अजमतुल्लाह ने गुलबदीन के हाथों कैच आउट करवाया। मैच के 14वें ओवर में जितेश शर्मा को मुजीब उर रहमान ने इब्राहिम के हाथों कैच आउट करवाया। जितेश शर्मा 20 गेंद में 5 चौकों की मदद से 31 रन बनाए। शिवम दुबे ने 40 गेंद में 2 छक्कों और 5 चौके की मदद से 60 रन बनाकर और रिंकू सिंह ने 9 गेंद में 2 चौके लगाकर 16 रन बनाए और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। अफगानिस्तान की तरफ से मुजीब-उर-रहमान ने 2 विकेट लिए।

### अफगान ओपनरों ने दी थी बढ़िया शुरुआत

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की तरफ से रहमानुल्लाह गुरबाज और कप्तान इब्राहिम जादरान ने टीम को अच्छी शुरूआत दी और टीम के लिए 50 रन जोड़े। गुरबाज 28 गेंद पर 23 रन बनाकर आउट हुए, कप्तान इब्राहिम जादरान (25) भी लंबी पारी नहीं खेल सके। मोहम्मद नबी ने 27 गेंद में 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 42 रन बनाए। नजीबुल्लाह जादरान ने 11 गेंद में 4 चौके लगाकर 19 और करीम जनत ने 5 गेंद में 9 रन मारकर टीम के स्कोर को पांच विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। भारत की तरफ से मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिये।

# बिहार में सीटों के बंटवारे को लेकर छिड़ी रार

## » महागठबंधन में तकरार वामदल ने फंसाया पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में शीट शेयरिंग को लेकर सियासित जारी है। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड अब भी अपनी 17 सीटों की मांग पर अड़ी हुई है। वहीं अब इस मामले में वाम दल की ओर भी प्रतिक्रिया आई है।**

वाम दल ने जदयू की 17 सीटों की मांग पर ऐतराज जताया है। उनका कहना है कि बिहार में 17 लोकसभा सीट पर जदयू का कोई हक नहीं बनता है। वहीं डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सीट शेयरिंग के सवाल पर कहा कि गठबंधन के बड़े नेता इसपर तय करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मीडिया को जानकारी देकर सीट का बंटवारा नहीं होता है।

### जदयू का 17 लोकसभा सीट पर कोई हक नहीं बनता है : रामबली

वामदल के विधायक रामबली सिंह यादव ने इस मामले में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जदयू का 17 लोकसभा सीट पर कोई हक नहीं बनता है। हमलोगों की स्थिति काराकाट, आरा, पाटलिपुत्र और जहानाबाद में काफी मजबूत है। हमलोगों की मांग हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में हमें यह सीटें चाहिए। बता दें कि जहानाबाद और काराकाट सीट पर जदयू का कब्जा है। काराकाट सीट पर जदयू के महाबली सिंह सांसद हैं। वहीं जहानाबाद सीट पर जदयू के चंदेश्वर चंद्रवंशी सांसद हैं। वामदल के इस मांग के बाद महागठबंधन के अंदर सियासी घमासान मच गया।

## हम किसी भी हालत में अपनी सीट नहीं छोड़ेंगे : भीष्म सहनी

इधर, वामदल के मांग पर जदयू के वरीय नेता भीष्म सहनी ने कहा कि हमलोग किसी भी हालत में अपनी सीट नहीं छोड़ेंगे। वामदल राजद से शीट शेयरिंग के मामले पर बात करें। हमलोगों 17 सीटों की मांग कर रहे हैं। यह वाजिब मांग है। इन सीटों पर जदयू ने लोकसभा 2019 का चुनाव जीता था। इसलिए इन सीट पर हमारा हक है। इसमें कहीं कोई संशय नहीं है कि हमलोग इस बार भी इन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। भीष्म सहनी ने कहा कि 20 जनवरी को सभी सीट का फॉर्मूला सामने आएगा। इससे पहले जदयू के विधायक और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने सोशल मीडिया पर कहा था कि इंडिया गठबंधन में जदयू के 17 सीटों के दावों का आधार भी है। पिछले लोकसभा चुनाव में जदयू पार्टी ने 16 सीटों पर जीत हासिल की थी, कुल मिलाकर 17 सीटों पर हमलोग लड़े थे।

फोटो : 4पीएम

**मांग** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत चुनी गयी बीसी सखी ने अपनी मांगों को लेकर विधानसभा घेरने का प्रयास किया, जिन्हें पुलिस ने बापू भवन के पास हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

# बंगाल के अधिकारियों के तर्क से राज्यपाल संतुष्ट

## ईडी टीम पर हमला मामला : टीएमसी नेता की गिरफ्तारी में देरी को लेकर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने शुक्रवार को कहा कि छापेमारी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमले के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी में देरी को लेकर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण से वह आश्वस्त हैं। इससे पहले मुख्य सचिव बी. पी. गोपालिका, गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार ने राजभवन में बृहस्पतिवार शाम बोस से मुलाकात की और उन्हें संदेशखाली में हुई घटना की जांच के बारे में जानकारी दी।**

बोस, हालांकि वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात के बारे में अधिक खुलासा नहीं करना चाहते थे क्योंकि जांच अभी भी जारी है। बोस ने संवाददाताओं से कहा, उन्होंने मुझे जो बताया है, वह हमें परेशान कर रहे कुछ ज्वलंत मुद्दों पर राज्य सरकार की सुविचारित राय है विशेषतौर पर ईडी के उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में।

उन्होंने मुझे कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी है जिसे मैं गोपनीय रखना चाहूंगा क्योंकि जांच अभी भी जारी है। मुख्य सचिव बी. पी. गोपालिका, गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार ने राजभवन में बृहस्पतिवार शाम बोस से मुलाकात की और उन्हें संदेशखाली में हुई घटना की जांच के बारे में जानकारी दी। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि बैठक करीब एक घंटे तक चली। यह पूछे जाने पर कि शाहजहां को तुरंत गिरफ्तार करने के राज्यपाल के निर्देश पर अधिकारियों के क्या जवाब थे बोस ने कहा, मेरा बयान रिकॉर्ड पर है और इसमें देरी क्यों हुई, इसका कारण मुझे बताया गया है। मैं आश्वस्त हूं और इससे संबंधित विवरण नहीं देना चाहता क्योंकि जांच अभी भी जारी है।

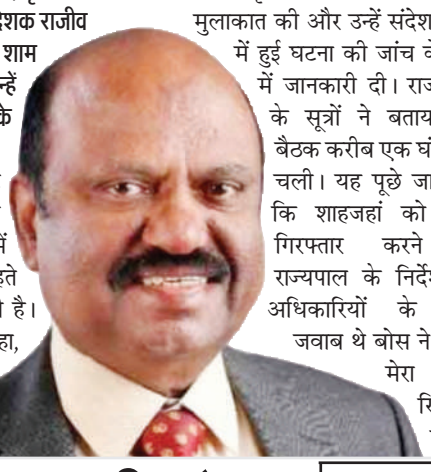

### स्वाति, संजय सिंह और एनडी गुप्ता के रास पहुंचने का रास्ता साफ

**नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के तीनों राज्यसभा उम्मीदवार संजय सिंह, स्वाति मालीवाल और नारायण दास गुप्ता का राज्यसभा जाने का रास्ता बिल्कुल साफ हो गया है। तीनों को स्क्रूटनी के बाद निर्विरोध निर्वाचित करार दे दिया गया। आप के तीनों नेता आज जीत का सर्टिफिकेट लेने रिटर्निंग ऑफ़िसर के ऑफिस पहुंचेंगे। वहीं जेल में बंद संजय सिंह भी कोर्ट की अनुमति से जीत का सर्टिफिकेट लेने जाएंगे। बता दें कि दिल्ली से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 19 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों संजय सिंह, स्वाति मालीवाल और एन.डी. गुप्ता ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया था. दरअसल संजय सिंह, सुशील कुमार गुप्ता और एन.डी. गुप्ता का छह साल का कार्यकाल 27 जनवरी को खत्म हो रहा है. इस बार आप ने सुशील गुप्ता की जगह दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष मालीवाल को उम्मीदवार बनाया है।**

# सीईसी अधिनियम पर केंद्र को सुप्रीम नोटिस जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस जारी किया, जिसने भारत के मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से हटा दिया।**

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 के क्रियान्वयन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से अप्रैल में जवाब मांगा है। जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसी समिति द्वारा निर्वाचन आयुक्त और मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित नए कानून को लागू करने पर रोक लगाने से इनकार किया, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को शामिल नहीं किया गया है।

# स्वामी विवेकानंद ने मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया: द्रौपदी मुर्मू

## » आध्यात्मिक गुरु एवं समाज सुधारक की जयंती पर राष्ट्रपति ने श्रद्धांजलि अर्पित की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र-निर्माण के लिए कार्य करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति ने कहा, 'उन्होंने भारत के आध्यात्मिक संदेश पश्चिम तक फैलाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आध्यात्मिक गुरु एवं समाज सुधारक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आशा व्यक्त की कि उनकी शिक्षाएं और विचार भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।**

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा,'' मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। महान आध्यात्मिक गुरु एवं समाज सुधारक स्वामी जी ने भारतीयों को उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराने के लिए देश भर में यात्रा की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र-निर्माण के लिए कार्य करने और

### पीएम मोदी ने नासिक में किया युवा महोत्सव का शुभारंभ

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मुंबई में देश के सबसे लंबे समुद्री पुल अटल सेतु को जनता को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही नासिक में 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे और 30,500 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने नासिक में रोड शो किया। वह यहां शहर में श्री कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेंगे। पीएम के रोड शो के दौरान उनके साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार शामिल मौजूद थे।**

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।